हिन्दी

निर्देश - १) निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है ।

२) प्रश्न पत्र चार खंडों अ, ब, स, द में विभाजित है ।

३) उत्तर साफ़ और सुंदर अक्षरों में लिखिए ।

खण्ड - अ

प्र.१ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो लोग धर्मभीरु हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते। इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे कुछ भी होता रहा हो, भीतर-भीतर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज़ है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए हैं । आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है। दूसरे को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है। हर आदमी अपने व्यक्तिगत जीवन में इस बात का अनुभव करता है। समाचार पत्रों में जो भ्रष्टाचार के प्रति इतना आक्रोश है, वह यही साबित करता है कि हम ऐसी चीज़ों को गलत समझते हैं और समाज में उन तत्वों की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं जो गलत तरीके से धन या मान संग्रह करते हैं ।

क) 'भारत कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है' - पंक्ति का अर्थ बताइए । (1)

ख) भीतर-भीतर भारतवर्ष के लोग अब भी क्या अनुभव करते हैं ? (2)

ग) समाचार पत्रों में भ्रष्टाचार के प्रति आक्रोश प्रकट करना क्या सिद्ध करता है ? (2)

प्र.२ निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं ।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं ।

क) कवि और कविता का नाम लिखिए । (1)

ख) पक्षी और बादलों को भगवान के डाकिए क्यों कहा गया है ? (2)

ग) भगवान के इन डाकियों के संदेशों को कौन-कौन समझ पाता है ? (1)

घ) अर्थ बताइए - बाँचते, महादेश (1)

प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (6×2=12)

क) कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं ?

ख) स्टेशन पर खड़ी भीड़ किसका प्रतीक है ?

ग) पत्र यादों को सहेजकर रखते हैं। कैसे ?

घ) 'दीवानों की हस्ती' कविता पढ़कर कवि की क्या-क्या विशेषताएँ स्पष्ट होती है? लिखिए ।

ङ) 'गजब हो गया । ऐसी बस अपने आप चलती है ।' लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई ?

च) बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी जो लेखक से छिपी न रह सकी ।

छ) कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है ?

प्र.४ किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (3×3=9)

क) 'दिल्ली परिवहन निगम' द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए प्रयासों के बारे में लिखिए।

ख) पुराने समय में लिखे गए पत्र हमारे लिए महत्त्वपूर्ण क्यों है ?

ग) मनुष्य जाति को प्रेम व एकता का संदेश देने के लिए आप क्या सुझाव दे सकते हैं ?

घ) आपके अनुसार 'आत्मविश्वास' व 'अहंकार' में क्या अंतर है ?

प्र.5 सही उत्तर छाँटिए - (9×1=9)

क) कबीरदास जी ने किसकी शुद्धता पर बल दिया है ?

अ) आत्मा ब) मन स) शरीर द) आचरण

ख) कवि 'निराला' के हाथ किससे भरे हुए हैं ?

अ) फूलों से ब) सपनों से स) कलियों से द) अमृत से

ग) वस्तु-विनिमय पद्धति क्या है ?

अ) वस्तु के बदले रुपए ब) संपत्ति के बदले वस्तु

स) वस्तु के बदले वस्तु द) जमीन के बदले वस्तु

घ) 'बस की यात्रा' पाठ किस शैली में लिखा गया है ?

अ) विवरणात्मक ब) लेख स) व्यंग्यात्मक द) वर्णनात्मक

ङ) दीवाने व्यक्ति के आस-पास का माहौल कैसा हो जाता है ?

अ) प्रसन्नता भरा ब) वेदना भरा स) दुखदायक द) सफलता भरा

च) पत्र को 'कागद' किस भाषा में कहा जाता है ?

अ) कन्नड़ ब) तमिल स) तेलुगु द) हिंदी

छ) 'एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।' वाक्य में कौन-सा शब्द सुगंध का पर्यायवाची नहीं है ?

अ) खुशबू ब) दुर्गंध स) महक द) सौरभ

ज) 'गह्वर शब्द का क्या अर्थ है ?

अ) समुद्र ब) गुफ़ा स) वन द) अंधकार

झ) दादी-नानी द्वारा सुनाई गई कहानी का अंत कैसा होता है ?

अ) दुखद ब) सुखद स) अर्थहीन द) मज़ाक से भरा

खण्ड - ब

प्र.6 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (5×2=10)

क) अहमदनगर के किले में लेखक की दिनचर्या क्या थी ? उन्हें इस किले से जुड़ी कौन-सी घटना याद थी ?

ख) सिंधु घाटी सभ्यता के नष्ट हो जाने के क्या कारण माने जाते हैं ?

ग) एलोरा और एलिफेंटा की गुफाएँ कब और कैसे बनाई गई ? उनमें क्या स्थित है?

घ) जातक कथाएँ क्या है ? लिखिए ।

ङ) महाभारत से प्राप्त होने वाली कुछ शिक्षाओं को सूत्रबद्ध कीजिए ।

प्र.7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सही उत्तर लिखिए - (5)

महाराणा प्रताप जंगल-जंगल मारे-मारे फिरते थे, अपनी स्त्री और बच्चों को भूख से तड़पते देखते थे, परन्तु उन्होंने उन लोगों की बात न मानी जिन्होंने उन्हें अधीनतापूर्वक जीते रहने ही सम्मति दी, क्योंकि वे जानते थे कि अपनी मर्यादा की चिंता जितनी अपने को हो सकती है, उतनी दूसरे को नहीं । एक इतिहासकार कहता है- "प्रत्येक मनुष्य का भाग्य उसके हाथ में है ।" प्रत्येक मनुष्य अपना जीवन-निर्वाह श्रेष्ठ रीति से कर सकता है। यही मैंने किया है और यदि अवसर मिले तो यही करूँगा । इसे चाहे स्वतंत्रता कहो, चाहे आत्म-निर्भरता कहे, चाहे स्वावलंबन कहो, जो कुछ कहो, यह वही भाव है जिससे मनुष्य और दास में भेद जान पड़ता है, यह वही भाव है जिसकी प्रेरणा से राम-लक्ष्मण ने घर से निकल बड़े-बड़े पराक्रमी वीरों पर विजय प्राप्त की । हनुमान ने अकेले सीता की खोज की और कोलंबस ने अमेरीका समान बड़ा महाद्वीप ढूँढ़ निकाला । चित्त की इसी वृत्ति के बल पर कुंभनदास ने अकबर के बुलाने पर फतेहपुर सीकरी जाने से इनकार किया ।

क) 'मनुष्य का भाग्य उसके हाथ में है " - पंक्ति का आशय है -

अ) मनुष्य का भाग्य कुछ नहीं है ।

ब) मनुष्य भाग्य को बदल सकता है।

स) मनुष्य ही अपने कर्म के बल पर अपने भाग्य का निर्माण करता है ।

द) मनुष्य का कर्म भाग्य पर विजय पाता है ।

ख) मनुष्य को दास बनाने से कौन बचाता है ?

अ) अहंकार ब) अभिमान

स) स्वाभिमान द) स्वावलंबन

ग) कुंभनदास ने किस भय से अकबर के दरबार में जाने से इंकार कर दिया ?

अ) परतंत्रता के ब) अपमान के

स) स्वाभिमान के द) जी-हुजूरी के

घ) कोलंबस ने किस महाद्वीप को ढूँढ़ निकाला ?

अ) अफ्रीका ब) आस्ट्रेलिया स) अमेरीका द) एशिया

ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए -

अ) स्वावलंबन का महत्व ब) स्वतंत्रता का महत्व

स) स्वाभिमान की महिमा द) पराधीनता बनाम स्वाधीनता

प्र.8 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर सही उत्तर लिखिए - (5)

जन्म दिया माता-सा जिसने, किया सदा लालन-पालन,
जिसके मिट्टी-जल से ही है रचा गया हम सबका तन ।
गिरिवर नित रक्षा करते हैं, उच्च उठा के श्रृंग महान,
जिसके लता द्रुमादिक करते हमको अपनी छाया दान ।
माता केवल बाल-काल में निज अंक में धरती है
हम अशक्त जब तलक तभी तक पालन-पोषण करती है ।
मातृभूमि करती है सबका लालन सदा मृत्यु पर्यन्त
जिसके दया प्रवाहों का होता न कभी सपनों में अंत ।
मर जाने पर कण देहों के इसमें ही मिल जाते हैं ।
हिंदू जलते, यवन-ईसाई शरण इसी में पाते हैं ।
ऐसी मातृभूमि मेरी है स्वर्गलोक से भी प्यारी
उसके चरण-कमल पर मेरा तन-मन-धन सब बलिहारी ।

क) 'मातृभूमि' को माँ क्यों कहा गया है ?

अ) जन्म देने के कारण ब) लालन-पालन करने के कारण

स) गोद में समाने के कारण द) अनंत उपकारों के कारण

ख) कवि मातृभूमि के प्रति प्रेम किस प्रकार प्रकट करता है ?

अ) उपकारों को याद करके ख) अपना सर्वस्व न्योछावर करके

स) उसके गीत गाकर द) उसके सौंदर्य की चर्चा करके

ग) 'द्रुमादिक' का तात्पर्य है -

अ) चोटियाँ ब) ऊँचे पर्वत

स) नदियाँ द) पेड़ आदि वनस्पतियाँ

घ) ऊँचे-ऊँचे पहाड़ हमें क्या देते हैं ?

अ) सौंदर्य ब) जल स) वनस्पति द) सुरक्षा

ङ) तन का पर्यायवाची नहीं है -

अ) काया ब) देह स) लोचन द) शरीर

खण्ड - स

प्र.9 प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क) निश्चयवाचक और अनिश्चयवाचक सर्वनाम में सोदाहरण अंतर बताइए । (3)

या

करण कारक और अपादान कारक में अंतर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

ख) वचन की पहचान कैसे होती है । उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए । (4)

या

भाववाचक संज्ञा कितने प्रकार के शब्दों से बनती है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

ग) व्युत्पत्ति के अनुसार शब्द के भेद उदाहरण सहित लिखिए । (3)

प्र.10 निर्देशानुसार उत्तर लिखिए -

क) विलोम शब्द लिखिए - (4)

उचित, साकार, आय, सरल

ख) प्रत्येक के दो पर्यायवाची लिखिए - (6)

गंगा, फूल, अमृत

ग) निम्न शब्दों का अंतर वाक्य प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए - (4)

पवन-पावन, अनिल-अनल

घ) निम्न शब्दों के दो-दो भिन्न अर्थ लिखिए - (6)

पद, नाग, काल

खण्ड - द

प्र.11 अपने जीवन के लक्ष्य के विषय में बताते हुए मित्र को पत्र लिखिए । (5)

अथवा

आपके पिता जी का मेरठ तबादला हो गया है । स्कूल छोड़ने का प्रमाण-पत्र प्राप्ति हेतु प्राचार्य को पत्र लिखिए ।

प्र.12 किसी एक विषय पर दिए गए बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए । (5)

क) वन रहेंगे हम रहेंगे

अ) प्रस्तावना

ब) वनों से लाभ

स) वन-सुरक्षा के प्रति हमारा दायित्व

द) वन-सरंक्षण में सरकार का योगदान

इ) उपसंहार

ख) राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों का दायित्व

अ) प्रस्तावना

ब) विद्यार्थी के गुण

स) विद्यार्थी राष्ट्र का भविष्य

द) राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की अहम् भूमिका

इ) उपसंहार

ग) हमारा भारत देश

अ) प्रस्तावना

ब) संसार का सबसे बड़ा गणतंत्र

स) विविधता में एकता

द) कृषि, उद्योग एवं विज्ञान में अपूर्व प्रगति

इ) उपसंहार (भारत के प्रति हमारा कर्तव्य)